राजस्थान की मूंगफली की पाकिस्तान और चीन में डिमांड

बीकानेर में इस बार एक करोड़ बोरी से ज्यादा का प्रोडक्शन हुआ

बीकानेर, (कासं)। यहां की मूंगफली एक बार फिर चीन और पाकिस्तान सहित दुनिया के दर्जनभर देशों तक पहुंचने वाली है। दरअसल, इस बार मानसून की शानदार बारिश के चलते रिकार्ड उत्पादन हुआ है। अकेले बीकानेर शहर की अनाज मंडी से एक करोड़ बोरी का व्यापार होने वाला है, जबकि जिले की अन्य मंडियों से भी कमोबेश इतनी ही मूंगफली किसान से बाजार तक पहुंचने वाली है।

गुजरात के बाद देशभर में सबसे ज्यादा मूंगफली उत्पादन करने वाले राजस्थान में बीकानेर अव्वल है। इस बार बीकानेर के नोखा, लूणकरनसर, खाजूवाला, श्रीडूंगरगढ़ और बज्जू सहित अधिकांश एरिया में किसानों ने मूंगफली की जमकर बुवाई की है। पिछले करीब एक महीने से मूंगफली मंडी में पहुंच रही है लेकिन दीपावली के बाद इसका सीजन परवान चढ़ गया है।

बीकानेर अनाज मंडी में हर रोज एक लाख बोरी मूंगफली पहुंच रही है। इन बोरियों की हाथों-हाथ बोली भी लग रही है। मंडी व्यापारियों का प्रयास है कि हर रोज एक से डेढ़ लाख बोरी तक का व्यापार हो जाए ताकि किसानों को सामान लाने के लिए जगह मिलती रहे। इस बार मूंगफली का दाना काफी बड़ा है।

बीकानेर की मूंगफली चीन और पाकिस्तान में डिमांड बढ़ी है। केंद्र सरकार अगर रोक नहीं लगाती है तो पाकिस्तान में भारतीय मूंगफली की जमकर बिक्री होने वाली है। बीकानेर अनाज मंडी के अध्यक्ष मोतीचंद सेठिया का कहना है कि पाकिस्तान मूंगफली निर्यात के लिए भारत सरकार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

उधर, चीन में भी बीकानेरी मूंगफली की डिमांड बढ़ी है। चीन में मूंगफली के तेल का उपयोग भी पिछले सालों में बढ़ा है। ऐसे में इस देश में निर्यात लगातार बढ़ता जा रहा है। बीकानेरी मूंगफली की डिमांड चीन, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, वियतनाम, बांग्लादेश और यूक्रेन में बीकानेरी मूंगफली पहुंचती है। इस बार भी इन देशों के व्यापारी मूंगफली की डिमांड कर रहे हैं। भारत में बीकानेरी मूंगफली नई दिल्ली, हरियाणा, बिहार, पंजाब के अलावा सर्वाधिक मूंगफली उत्पादन करने वाले गुजरात में भी बीकानेरी मूंगफली का बोलबाला है।

- **बीकानेर अनाज मंडी में हर रोज एक लाख बोरी मूंगफली पहुंच रही है**
- **अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और यूक्रेन में बीकानेरी मूंगफली पहुंचती है**

किसानों की मानें तो इस बार नहरी क्षेत्र में आठ क्विंटल का उत्पादन प्रति बीघा हुआ है। वहीं कुए और बारानी क्षेत्र में आठ से दस क्विंटल तक मूंगफली का उत्पादन इस बार हुआ है। हर साल की तुलना में इस बार ज्यादा मूंगफली बाजार तक पहुंची है।

बीकानेर अनाज मंडी में अच्छी क्वालिटी की मूंगफली का भाव इस समय 6500 रुपए तक मिल रहा है। वहीं अन्य मूंगफली का भाव 5600 रुपए प्रति क्विंटल मिल रहा है।

दो सगे भाईयों समेत चार दोस्तों की मौत

बर्थ-डे सेलिब्रेट कर लौटते समय कार डिवाइडर से टकराई

अनूपगढ़, (कासं)। बर्थ-डे सेलिब्रेट कर लौट रहे युवकों की कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दो सगे भाईयों समेत चार दोस्तों की मौत हो गई।

एक्सीडेंट इतना जबरदस्त था कि कार को काटकर फंसे हुए युवकों को बाहर निकाला गया। हादसा श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में बीती देर रात डेढ़ बजे हुआ। हादसे का वीडियो भी सामने आया है। अनूपगढ़ डिप्टी जयदेव सियाग ने बताया कि हादसा अनूपगढ़-रायसिंहनगर सड़क मार्ग पर गांव 87 जीबी के पास हुआ। हादसे में अनूपगढ़ के वार्ड 28 निवासी जितेंद्र (25) और अंकुश (23), साहिल जुनेजा (22), वार्ड 25 निवासी रोहित (23) की मौत हो गई। मरने वालों में जितेन्द्र और अंकुश सगे भाई हैं। गंभीर रूप से घायल वसीम अकरम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- **गाड़ी काटकर निकालने पड़े शव**

सियाग ने कहा कि रविवार को जितेन्द्र का बर्थ-डे था। ये लोग अनूपगढ़-रायसिंहनगर मार्ग पर स्थित ग्रीन स्टार होटल में बर्थ-डे मनाने गए थे। देर रात सभी कार से लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार तीन युवकों की मौत हो चुकी थी। वहीं अन्य युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। सुबह लोग पहुंचे तो उन्हें गाड़ी सड़क किनारे दिखाई दी। कार के आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। जितेन्द्र के मामा नरेश कुमार ने अनूपगढ़ पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है।

पुष्कर सरोवर में संतों-महंतों ने शाही महास्नान किया

पुष्कर में शाही स्नान करते प्रेमदास व अचला नंद जी महाराज।

पुष्कर, (निसं)। कार्तिक मास में सृष्टि कर्ता श्रीब्रह्माजी के पवित्र पावन मोक्षदायी श्री ब्रह्म सरोवर में ब्रह्म चतुर्दशी के पवित्र पावन अवसर पर पुष्कर तीर्थ के प्रमुख आश्रम मठों के संतों महंत ने राम रमय्या आश्रम के महंत की मंगल कामना की। शाही स्नान में सैनाचार्य स्वामी अचलानन्दाचार्य की अगुवाई में सैकड़ों संत महात्माओं, अनुयायी, भक्तों, धर्मावलम्बियों ने पवित्र पुष्कर सरोवर में डुबकी लगाई। सैनाचार्य ने सरोवर के किनारे भक्तों एवं पत्रकारों को संम्बोधित किया। रामधनी तिराये पर पूर्व पालिकाध्याक्ष मंजु कुर्डिया, पार्षद ताराचंद गहलोत, दामोदर मुखिया, सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश कुर्डियां, दामोदर मुखिया आदि ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। सैन भक्ति पीठ के प्रवक्ता हरिप्रसाद पाराशर ने बताया कि संतों ने स्नान के पश्चात पवित्र पुष्कर सरोवर की परिक्रमा लगाते ब्रह्म घाट, गऊ घाट, सदर बाज़ार, वराह घाट, नया मंदिर, अष्ट-भू वैकुंठ आश्रम होते पुनः भक्ति पीठ शोभायात्रा पहुंची।

- **अलग-अलग समय किया स्नान सन्तो**

'नहर परियोजना पर बंद हो खोखली राजनीति'

हिण्डौन सिटी/ टोडाभीम, (निसं)। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष भामाशाह रामनिवास मीना ने कहा है कि ईआरसीपी 13 जिलों के किसानों के जीवन से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण परियोजना है। इस पर किसी भी प्रकार की राजनीति करने के बजाय राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के लिए ईमानदारी से सकारात्मक कार्य करना चाहिए।

- **'जो देगा चंबल का पानी, उसी दल को देंगे वोट'**

किसान सभा में पहुंचे प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास मीणा का लोगों ने हाथ उठाकर समर्थन किया।

प्रदेशाध्यक्ष मीना सोमवार को टोडाभीम के गांव कमालपुरा के पास आयोजित एक किसान सभा को संबोधित कर रहे थे। भामाशाह मीना ने हजारों की संख्या में उपस्थित किसानों के बीच कहा कि चंबल का पानी नहरों के माध्यम से 13 जिलों की धरा पर लाने के लिए पिछले 5 साल में ईमानदारी से कोई कार्य नहीं हुआ है। किसानों के जीवन से जुडी इस महत्वपूर्ण परियोजना के साथ खोखली राजनीति की जा रही है। किसी भी दल के राजनीतिक लोग हों, उन्हें यह खेल बंद करना चाहिए। मीना ने कहा कि उत्तरी-पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में शामिल 83 विधायकों व करीब 10 सांसदों को ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के लिए सकारात्मक ढंग से दबाव बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ईआरसीपी के राष्ट्रीय परियोजना घोषित होने से ही 13 जिलों की सिंचाई और पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि 13 जिलों के किसान खोखली राजनीति के खेल को समझ चुके हैं। अब वे किसी भी नेता के झूठे और लच्छेदार भाषणों के बहकावे में आने वाले नहीं हैं। क्षेत्र के किसान ऐलान कर चुके हैं कि चंबल का पानी नहीं, तो वोट भी नहीं। इसे सरकार को गंभीरता से लेना होगा। किसान यह भी एलान कर चुके हैं कि जो देगा चंबल का पानी, उसी दल को देंगे वोट। प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास मीना के इस आव्हान का किसानों ने हाथ उठाकर समर्थन किया तथा पानी पर सियासत नहीं चलने देंगे, ईआरसीपी पर राजनीति नहीं होने देंगे के नारे लगाए।

किसान सभा को पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति के संयोजक अमर सिंह नीमरोट और प्रदेश महामंत्री भरत सिंह डागुर ने संबोधित करते हुए कहा कि चंबल का पानी नहरों के माध्यम से 13 जिलों की धरा पर आएगा तो पूरा क्षेत्र सरसब्ज हो जाएगा।

गोली लगने से विवाहिता की मौत

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र की रिण्डलिया ग्राम पंचायत के पीमुण गांव निवासी एक विवाहिता की गोली लगने से हुई मौत के बाद पुलिस ने मौके से अवैध एक नाली बन्दूक जब्त कर शव को मालपुरा के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। मौके पर मौजूद परिवारजनों में रामजीलाल की पहली पत्नी कैलाशी मोग्या ने दी रिर्पोट में बताया कि मृतक ललीता जो कि रामजीलाल के दूसरी पत्नी के रूप में नाता प्रथा से लाई गई थी।

- **अवैध नालीदार बन्दूक जब्त कर शव को मोर्चरी में रखवाया**

दोनों के बीच सोमवार की सवेरे हुए झगड़े के बाद रामजीलाल केकडी चला गया तथा परिवार के अन्य पुरूष व महिलाएं खेत व जंगल में चले गये। दोपहर में अचानक बन्दूक के धमाके की आवाज सुन वो डेरे के पास पहुंची तो ललीता के सीने में गोली लगी हुई थी शव जमीन पर पड़ा था तथा पास में बन्दूक पड़ी थी। जिससे प्रथम दृश्टया ललीता ने बन्दूक की गोली लगा स्वयं को मौत के घाट उतारना प्रतित होता है।

जोधपुर से अजमेर ट्रांसफर होगा तलाक का केस

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने तलाक से जुड़े एक मामले को जोधपुर से अजमेर ट्रांसफर करने का आदेश दिया है। अजमेर निवासी एक महिला ने याचिका दायर कर हाईकोर्ट में अपील की थी कि उसके पति की तरफ से जोधपुर में दायर तलाक के मामले को अजमेर फैमिली कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए।

- **महिला ने परिवार में पुरुष सदस्य नहीं होने व 206 किमी सफर तय करने का दिया हवाला**

अजमेर निवासी ममता की शादी 28 नवम्बर 2019 को जोधपुर निवासी रोहित कुमार के साथ अजमेर में हुई। उसका आरोप है कि शादी के बाद उसके पति रोहित कुमार ने जोधपुर के फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल की। ममता की तरफ से कोर्ट में उसके वकील गोपाल सांदू ने कहा कि वह अपने परिवार में अकेली है। कोई पुरुष सदस्य नहीं होने के कारण उसके लिए फैमिली कोर्ट की पेशी पर 206 किलोमीटर का सफर तय कर आने में दिक्कत होती है। ऐसे में उसका केस अजमेर के फैमिली कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया जाए।

न्यायाधीश मदन गोपाल व्यास की कोर्ट में रोहित के वकील की तरफ से तर्क दिया गया कि अजमेर राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच के तहत आता है। ऐसे में जोधपुर में हाईकोर्ट इस बारे में फैसला नहीं दे सकता। इस बारे में ममता के वकील सांदू का कहना था कि जोधपुर में हाईकोर्ट की मुख्य पीठ है और जयपुर में सिर्फ बेंच। ऐसे में मुख्य पीठ पूरे राजस्थान से जुड़े मामलों पर फैसला दे सकती है। उनका तर्क था कि सुप्रीम कोर्ट इस बारे में स्पष्ट कर चुका है कि तलाक से जुड़े मामलों को जहां पत्नी निवास करती है वहां ट्रांसफर किया जा सकता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश मदन गोपाल व्यास ने ममता व रोहित के तलाक से जुड़े मामले को अजमेर फैमिली कोर्ट में ट्रांसफर करने का फैंसला दिया।

दो दिन बंद रहेंगे बाबा श्याम के पट

खाटूश्यामजी, (निसं)। कस्बे के प्रसिद्ध बाबा श्याम के दरबार में चंद्र ग्रहण के कारण मंगलवार को बाबा श्याम के पट बंद रहेंगे। ग्रहण शुद्ध होने के बाद बाबा श्याम की आरती की जाएगी लेकिन बाबा श्याम के पट श्रद्धालुओं के नहीं खुलेंगे।

इसके साथ ही बुधवार को बाबा श्याम का तिलक श्रृंगार का कार्यक्रम होगा जिसके कारण विशेष पूजा के चलते पूरे दिन बाबा श्याम के मंदिर के पट बंद रहेंगे शाम 5 बजे बाद तिलक होने के बाद ही बाबा श्याम के पट खुलेंगे। श्री श्याम मंदिर कमेटी ने श्रद्धालुओं को परेशानी ना हो इसको लेकर एक नवंबर को ही आम सूचना जारी कर दी थी। मंदिर कमेटी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि 8 नवंबर को पूरे दिन व 9 नवंबर को शाम 5 बजे बाद ही खाटू धाम पहुंचे जिसे असुविधा में न हो।

बाजार भाव अधिक रहने से सरकारी मंडी में मूंगफली बेचने नहीं गए किसान

मूंगफली का खरीद मूल्य 5850 रुपए प्रति क्विंटल रहने से एक भी किसान ने नहीं कराया रजिस्ट्रेशन

चाकसू, (निसं)। सरकार ने किसानों को उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से खरीफ फसलों की लगभग सभी जिंसों के समर्थन मूल्य पर खरीद के भाव बढ़ा दिए हैं। चाकसू में संचालित क्रय विक्रय सहकारी समिति ने 18 नवंबर से मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए सभी तैयारियां पूरी कर रखी हैं। क्रय विक्रय सहकारी समिति चाकसू के मुख्य प्रबंधक महेंद्र सिंह रिणवा एवं लेखापाल जगदीश शर्मा ने बताया कि 27 अक्टूबर से जिंस बेचने वाले किसानों के रजिस्ट्रेशन आरम्भ हो चुके हैं, लेकिन एक किसान ने भी मूंगफली बेचने के लिए अपना पंजीकरण नहीं करवाया।

रिणवा ने बताया कि सरकार ने समर्थन मूल्य में 575 रुपए मुल्य की बढ़ोतरी करते हुए इस बार मूंगफली का खरीद मूल्य 5850 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया लेकिन वर्तमान में चाकसू मंडी में अच्छी क्वालिटी की मूंगफली 6200 रुपए प्रति क्विंटल के दर से बिक चुकी है। 5600 से 6000 तक के बाजार भाव चल रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार चाकसू कृषि मंडी में 8 से 10 हजार बोरी मूंगफली की रोजाना आवक हो रही हैं।

इस स्थिति में सरकारी खरीद मूल्य पर मूंगफली की बिक्री संभव नहीं है। यही कारण है कि किसानों ने अभी तक पंजीयन नहीं कराया, एक भी टोकन जारी नहीं हुआ। किसानों को अभी भी भावों में बढ़ोतरी की संभावना लग रही है इसके चलते समृद्ध किसानों ने अपना माल नहीं निकाला है।

पैंथर ने 15 बकरियों का शिकार किया

उदयपुर, (कासं)। जिले के टीडी थानाक्षेत्र में स्थित केलुपोश मकान में घुस कर पेंथर ने चार बकरे व ग्यारह बकरियों की हत्या कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार रात में सराड़ा वन क्षेत्र टीडी वान्द्रा फला गांव निवासी सुरेश पुत्र लालजी मीणा के केलुपोश मकान की छत पर चढ कर केलु हटा कर पैंथर अंदर घुसा तथा बकरियों का शिकार किया। दूसरे दिन सोमवार सवेरे ग्रामीणों की सूचना पर सरड़ा वन क्षेत्र रेंजर सुरेन्द्रसिंह के निर्देश पर वन विभाग के फोरेस्टर व टीम ने मौके पर पहुंच कर मृतक बकरे व बकरियों का पोस्टमार्टम किया। पीडित को मुआवजा दिलाने की कार्यवाही शुरू की। वन विभाग की टीम पेंथर को पकडने के लिए मंगलवार को मौके पर पिंजरा लगाएगी।

पिछोला की पाल टूटी तो आधे उदयपुर को होगा बड़ा नुकसान: भींडर

पूर्व विधायक ने राज्यपाल को लिखा पत्र, मोरबी जैसी घटना होने की जताई आशंका

कानोड़, (निसं)। पूर्व विधायक व जनता सेना के सुप्रीमो रणधीर सिंह भींडर ने राज्यपाल को पत्र लिखकर उदयपुर पिछोला झील की पाल को खतरा बताते हुए मोरबी जैसी घटना होने की आशंका जताई है। पूर्व विधायक ने जल्द ही पिछोला की पाल को सुरक्षित करने की मांग की है। पूर्व विधायक ने लिखे पत्र में बताया कि मोरबी गुजरात में पुराने पुल के क्षतिग्रस्त होकर टूट जाने के कारण कई लोगों की जान चली गई। प्रशासन की अनदेखी व लापरवाही के कारण ऐसा हादसा उदयपुर शहर में भी हो सकता है।

उदयपुर पिछोला झील का निर्माण कहीं दशकों पूर्व हुआ था और उसकी पाल को सुरक्षित रखने के लिए पाल के नीचे समोर बाग में संकेतक के रूप में एक पुतली लगाई गई थी जिसमें से पानी की धारा निकलती है। उस पुतली के मटके में से धारा निकलकर कुंड में गिरती है

रणधीर सिंह भीण्डर

परंतु अब न केवल मटके बल्कि पुतली के आस-पास से कई जगह से पानी की धारा निकलने लगी है।

जानकारी से पता चला है कि भराव क्षमता निर्माणकर्ताओं द्वारा साढे आठ फीट की गई थी परंतु पिछले कुछ वर्षों से प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं देने के कारण 11 फीट तक भराव किया जा रहा है जिससे अनावश्यक दबाव पाल पर

- **भराव क्षमता साढे आठ फीट होने के बाद भी पिछले कुछ वर्षों से प्रशासन 11 फीट तक भराव कर रहा है**

पडने लगा है। पिछोला से पाइप द्वारा गुलाब बाग के फव्वारे इत्यादि चलाए जाते थे जो बंद कर दिए गए हैं, पैलेस के पास से पानी की निकासी हेतु एक नहर थी उसको भी कतिपय लोगों ने बंद कर दिया है।

बड़ी पाल के ऊपर कभी कोई दबाव नहीं डाला गया था परंतु अब वहां कई वाहन खड़े रहते हैं, आजकल पर्यटकों की आवाजाही भी बढ़ गई है और कई बार पार्टियां होने से लोगों का आवागमन भी बढ़ा है। नाई से आने वाली नदी का प्रेशर दूध तलाई से सीधी आने से पाल पर दबाव नहीं पड़ता था परंतु दूध तलाई को पिछोला से काट दिया गया है, अब नदी का बहाव सीधा पाल से टकराता है जिससे पिछोला की पाल को खतरा बना हुआ है। पत्र में लिखा कि अगर पिछोला की पाल को थोड़ा सा भी नुकसान होता है तो आधा उदयपुर इसकी चपेट में आ जाएगा जो कि मोरबी गुजरात से भी बड़ा हादसा हो सकता है।

पूर्व विधायक ने लिखा कि इस संबंध में पूर्व में भी कई बार राज्य सरकार को ज्ञापन द्वारा सिंचाई विभाग, नगर निगम व प्रशासनिक अधिकारियों से मिलकर अवगत करा चुके हैं परंतु केवल आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला है। ऐसे में राज्यपाल से मांग की है कि उदयपुर को समय रहते इस हादसे से बचा ले वरना ऐतिहासिक पिछोला झील का नामोनिशान न मिलने के साथ ही काफी बर्बादी होगी।

प्रारंभिक स्कूलों में फिर मिलेंगी किताबें

नोखा, (निसं)। अब स्कूलों में पुरानी व्यवस्था लागू होने जा रही है। किताब के लिए अब पैसे नहीं मिलेंगे बल्कि उसके बदले में स्कूलों में किताब दी जाऐंगी। वर्ष 2023-24 में बच्चों को स्कूलों में किताब का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। इसके लिए अभी से ही शिक्षा विभाग द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है। सभी स्कूलों से रिपोर्ट मांगी जा रही है। ताकि समय से बच्चों को पठन-पाठन के लिए किताब उपलब्ध कराई जा सके। कक्षा 1 से लेकर 8 तक के बच्चों को सरकार द्वारा निःशुल्क किताब का वितरण किया जाएगा। इस बार बच्चों को किताब सही समय पर दी जाऐंगी। पिछले कई बार से शिक्षा विभाग के लेटलतीफी के कारण बच्चों को सही समय पर किताब नहीं मिल पाती थी।

- **सत्र 2023-24 में बच्चों को किताबों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा**

इस बार के सेशन सत्र में बच्चों को किताब दी जाएंगी। अब स्कूलों में छात्रों छात्राओं के बीच पुस्तक का वितरण किया जाएगा। इसके लिए सभी को अपने -अपने विद्यालय के छात्र - छात्राओं की संख्या विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सेवा पुस्तिका के लिए छह माह से लगा रहे चक्कर

कानोड़, (निसं)। चित्तौड़गढ़ मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में कार्यरत एक लिपिक को रिश्वत लेने के मामले में एसीबी से ट्रेप करवाना एक सेवानिवृत्त अल्प वेतनभोगी कार्मिक के लिए इतना मंहगा पड़ा कि वह बीते 6 महीने से अपनी सेवा पुस्तिका के लिए विभाग के कार्यालयों के चक्कर लगाने को विवश है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी एक-दूसरे को पत्र भेजकर केवल औपचारिकता पूरी कर रहे हैं। अधिकारियों द्वारा प्रार्थी को सेवा पुस्तिका उपलब्ध करवाने के लिए आदेश पर आदेश निकाले जा रहे हैं लेकिन उनकी पालना करता कोई नहीं दिख रहा है।

- **आदेशों की हो रही अवहेलना**
- **रिश्वतखोर को एसीबी में पकड़वाना कार्मिक को पड़ा महंगा**

यह पूरा मामला डूंगला तहसील के गांव बडवाई रहने वाले चिकित्सा विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी रामलाल श्रीमाली का जिन्होंने हाईकोर्ट द्वारा एमपीडब्ल्यू वेतन विसंगतियों को लेकर पक्ष में फैसला आने के बाद अपने दो अन्य साथियों के साथ फिक्सेशन के लिए अपनी सेवा पुस्तिका बडी सादडी ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में कार्यरत बाबू प्रताप सिंह के कहे अनुसार सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ लेखाधिकारी मूलचंद वर्मा को दी व फिक्सेशन करने को कहा लेखाधिकारी वर्मा ने फिक्सेशन के पेटे 20 हजार की मांग की तो प्रार्थी ने बाद प्रार्थी ने परेशान होकर एसीबी में शिकायत कर उक्त कर्मचारी मूलचंद वर्मा को 15 हजार की रिश्वत लेते हुए एसीबी से पकडवा दिया। इस दौरान रामलाल श्रीमाली सहित दो अन्य कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका मूलचंद वर्मा व उसी विभाग में कार्यरत रमेश चंद भील के पास रह गई जो अब सेवा पुस्तिका उनके पास नहीं होने की बात कह रहे हैं। जबकि एसीबी की कार्रवाई के दौरान भी उक्त रिकॉर्डिंग में लेखा अधिकारी मूलचंद ने कहा था कि सेवा पुस्तिका रमेशचंद्र भील के पास है, वह तुम्हें दे देगा। प्रार्थी का कहना है कि इस बात को एसीबी ने अपनी कार्रवाई में शामिल नहीं किया जिससे इतना सब कुछ होते हुए विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं।

सेवा पुस्तिका दिलाने की मांग को लेकर प्रार्थी रामलाल श्रीमाली ने निर्देशक राजपत्रित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान जयपुर के साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो चित्तौड़गढ़, जिला कलेक्टर चित्तौड़गढ़ सहित संबंधित विभाग अधिकारियों से गुहार लगाई है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने पत्राचार के माध्यम से उक्त सेवा पुस्तिका प्रार्थी को दिलवाने के आदेश दिए लेकिन उन आदेशों की कोई पालना संबंधित विभाग व कार्मिकों द्वारा नहीं की जा रही है, जिस कारण सेवानिवृत्त कर्मचारी रामलाल श्रीमाली के साथ ही दो अन्य सहकर्मी प्रेम शंकर पुत्र पन्नालाल भरावा, सोहनलाल पुत्र लालू चौधरी भी अपनी सेवा पुस्तिका के लिए विभाग कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। एसीबी की कार्रवाई बताकर पुलिस भी मामला दर्ज करने से मुंह मोड़ रही है। परेशान पेंशनर रामलाल श्रीमाली ने एक प्रेस विज्ञिप्त जारी कर कहा है कि अगर जल्द ही विभाग उनकी सेवा पुस्तिका नहीं दिलाता है, तो वह जिला कलेक्टर कार्यालय के साथ ही एसीबी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठेंगे।